GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF TEXTILES
RAJYA SABHA
STARRED QUESTION NO-*107
ANSWERED ON- 29/07/2021

VARIATION IN BUDGET ESTIMATE AND EXPENDITURE

*107. SHRI BHUBANESWAR KALITA:

Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether Government is aware of the difference between estimated budget of ₹485.00 Cr. for handlooms and the actual expenditure of ₹344.87 Cr. made on handlooms for the year 2020-21; and

(b) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor?

ANSWER

THE MINISTER OF TEXTILES
(SHRI PIYUSH GOYAL)

(a) & (b): A statement is laid on the Table of the House.

Statement referred to in reply to part (a) & (b) of the Rajya Sabha Starred Question No.*107 for 29.07.2021

(a) & (b): The figures for Budget Estimates, Revised Estimates and actual expenditure for the year 2020-21 are Rs.475.00 Crore, Rs.336.00 crore and Rs.315.95 Crore, respectively.

The conditions emanating from Covid-19 pandemic led to disruptions in overall economic activities at large leading to demand and supply shifts in the offtake of raw-materials and finished goods including in the handloom sector. There was also a fall in the number of viable proposals like marketing expos, subsidized yarn supply, etc., from the State Governments and yarn supply beneficiaries. Besides, the pandemic also slowed down the implementation of other schematic interventions such as skill upgradation programmes, distribution of looms and accessories and Mudra loans. These factors led to a deviation between the budgetary estimates and actual expenditure in FY 2020-21.

***

***

भारत सरकार

वस्त्र मंत्रालय

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *107

29 जुलाई, 2021 को जवाब दिया

बजट अनुमान और व्यय में भिन्नता

***107 श्री भुबनेश्वर कालिता:**

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को वर्ष 2020-21 के लिए हथकरघा हेतु 485.00 करोड़ रूपये के अनुमानित बजट और 344.87 करोड़ रूपये के वास्तविक व्यय के बीच की भिन्नता की जानकारी है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

वस्त्र मंत्री

(श्री पीयूष गोयल)

(क) और (ख): एक विवरण सदन के पटल पर रखा गया है।

दिनांक 29.07.2021 को राज्य सभा के लिए नियत तारांकित प्रश्न सं *107 के भाग (क) और (ख) के उत्तर के लिए उल्लिखित

(क) और (ख): वर्ष 2020-21 के बजट अनुमान, संशोधित अनुमान और वास्तविक व्यय के आंकड़े क्रमशः 475.00 करोड़ रुपये, 336.00 करोड़ रुपये और 315.95 करोड़ रुपये हैं।

कोविड-19 महामारी से उत्पन्न स्थितियों से बड़े पैमाने पर समग्र आर्थिक गतिविधियों में व्यवधान पैदा हुआ है, जिससे हथकरघा क्षेत्र सहित कच्चे माल और तैयार माल की मांग और आपूर्ति में बदलाव आया। राज्य सरकारों और यार्न आपूर्ति लाभार्थियों से विपणन प्रदर्शनियों, सब्सिडी वाले यार्न आपूर्ति आदि जैसे व्यवहार्य प्रस्तावों की संख्या में भी गिरावट आई थी। इसके अलावा, महामारी ने अन्य योजना संबंधी अंतःक्षेपों के कार्यान्वयन जैसे कौशल उन्नयन कार्यक्रम, करघे और सहायक उपकरण और मुद्रा ऋण के वितरण को भी धीमा कर दिया। इन कारकों के कारण वित्त वर्ष 2020-21 में बजटीय अनुमानों और वास्तविक व्यय के बीच विचलन हुआ।

***

SHRI BHUBANESWAR KALITA: Hon. Deputy Chairman, Sir, the hon. Minister has aptly given reasons for deviation in the estimate in the expenditure. *...(Interruptions)...* So, I will not put two supplementaries; I will only have one supplementary. The handloom sector is one of the most important sectors of rural India and India, as a whole, contributes immensely to the 'Atmanirbhar' concept enunciated by our hon. Prime Minister. *...(Interruptions)...* Sir, will the Minister be more liberal in allocating funds to the States to promote the handloom in production, marketing and export? *...(Interruptions)...*

श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश : सर, आज माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में हम सब महिलाओं को पहली बार जिम्मेदारी मिली है। ...**(व्यवधान)**... मैं समझती थी कि हमारा इंट्रोडक्शन भी अच्छा होगा और हम अच्छे से काम कर पाएंगे। ...**(व्यवधान)**... लेकिन न तो विपक्ष जवाब दे रहा है और न ही वह कुछ सुनने के लिए तैयार है। ...**(व्यवधान)**... यह हमारे सीनियर मंत्री, आदरणीय पीयूष गोयल जी के वस्त्र मंत्रालय से जुड़ा प्रश्न है। ...**(व्यवधान)**... मैं बताना चाहती हूँ कि महामारी के इस काल में सभी आर्थिक गतिविधियों पर काफी असर पड़ा है। ...**(व्यवधान)**... लेकिन हैंडलूम एंड हैंडीक्राफ्ट्स वाले जो भी उत्पादक हैं, ...**(व्यवधान)**... उन तक yarn पहुंचाना, उनके लिए ट्रेनिंग सेंटर बनाना, उन्हें मुद्रा लोन देना,ये सब काम हुए हैं ...**(व्यवधान)**... जैसे हमारी वित्त मंत्री, निर्मला सीतारमण जी ने 21 हजार करोड़ का बजट कोविड के समय में विभिन्न क्षेत्र के लिए भी दिया है और उससे लोगों के लिए काफी सुविधाएं भी हो रही हैं। ...**(व्यवधान)**... लेकिन उनकी सेल में, बिक्री में गिरावट आई है। ...**(व्यवधान)**... इसी वजह से हमारे बजट के जो actual figures हैं, हम उन्हें पूरा नहीं कर पाए। ...**(व्यवधान)**... मैं एक बात जोड़ना चाहती हूँ। ...**(व्यवधान)**... इस पैन्डेमिक सिचुएशन में जिस तरह से नरेन्द्र भाई जी ने बहुत अच्छे काम किए हैं, ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : माननीय मंत्री जी, उत्तर संक्षेप में दें। ...**(व्यवधान)**... माननीय मंत्री जी, उत्तर संक्षेप में दें। ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश : Ministry of Commerce and Industry ने भी ऑनलाइन शॉपिंग के लिए GeM portal के माध्यम से सभी को मौका दिया है। ...**(व्यवधान)**... GeM portal के अंदर 1,75,000 से ज्यादा registered हैं। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please be brief. *...(Interruptions)...* उत्तर संक्षेप में दें। ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश : Weaver and artisan के लिए registrations हो चुके हैं, जहाँ से वे लोग बिक्री कर सके हैं। ...**(व्यवधान)**... माननीय सदस्य ने मुझसे जो सवाल पूछा है, मैं समझती हूँ कि सरकार ने कई सारी योजनाएं बनाई हैं, जिनसे हम लोग इनके सपोर्ट में अच्छे से कर सकें। ...**(व्यवधान)**...

SHRI BHUBANESWAR KALITA: Sir, I have not got the answer or reply for the first supplementary. *...(Interruptions)...* I want to repeat and ask again whether the hon. Minister will increase the budget allocation on the demands of the States so that the

production, marketing and export is promoted at the State level by proper budget allocation. *...(Interruptions)...*

श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश : सर, इसमें जरूर प्रयत्न होगा। ...**(व्यवधान)**... जिस तरह से आप देख रहे हैं कि कई योजनाएं हैं, जो केन्द्र से आती हैं, लेकिन स्टेट्स उन्हें accept नहीं कर रही हैं। ...**(व्यवधान)**... हमारे जो साथी खड़े हैं, उन्हीं की स्टेट में यह सब implementation नहीं हो रहा है। ...**(व्यवधान)**... लेकिन कई स्टेट गवर्नमेंट्स का भी काफी सपोर्ट है ...**(व्यवधान)**... और उन्होंने इस बजट के लिए केन्द्र सरकार की सभी योजनाओं को सपोर्ट किया है। ...**(व्यवधान)**...

डा. अमर पटनायक : डिप्टी चेयरमैन सर, मेरा प्रश्न यह है कि आपने लिखा हुआ है कि weavers का जो पैसा खर्च होना था, वह पैन्डेमिक की वजह से खर्च नहीं हो पाया। ...**(व्यवधान)**... लेकिन जो weavers की personal condition है, वह और भी खराब हो गई है। ...**(व्यवधान)**... System point of view or structural point of view में जो भी position थी, उससे भी खराब हो गई। ...**(व्यवधान)**... इसलिए मैंने माननीय प्रधान मंत्री जी को एक सजेशन दिया था कि "प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि" की तरह इन लोगों को भी Rs.1,000 per month एक livelihood support दिया जाए, जैसा कि फार्मर्स को दिया जाता है। ...**(व्यवधान)**... यहाँ पर आप मानते भी हैं कि यह second largest employer हैं, इसलिए उनका भी ध्यान रखना चाहिए। ...**(व्यवधान)**... Will the Government kindly consider this?

श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश : महोदय, पूर्व वस्त्र मंत्री, स्मृति जी ने इस संबंध में काफी कुछ किया है और मंत्रालय ने इस बारे में काफी कुछ नए आयाम शुरू किए थे, जिनमें हैण्डलूम-हैंडिक्राफ्ट वालों को आधार कार्ड से जोड़कर artisans की एक पूरी लिस्ट बनाई गई है और उसी के माध्यम से हम सारी योजनाएँ उन तक पहुँचाने का प्रयत्न कर रहे हैं। ...**(व्यवधान)**... ज्यादातर सेक्टर्स, जो कि unorganized हैं, वे हर स्टेट में अलग-अलग तरीके से काम करते हैं। ...**(व्यवधान)**... जो लोग हैण्डलूम में हैं, वे शायद खेती में भी काम करते हैं तथा किसी और क्षेत्र में भी काम करते हैं। ...**(व्यवधान)**... सिर्फ हैण्डलूम में काम करने वाले लोगों के लिए भी हम लोगों ने काफी योजनाएँ बनाई हैं। ...**(व्यवधान)**... माननीय सदस्य का जिस तरह का सुझाव है, वह लिख कर मंत्रालय को दें। ...**(व्यवधान)**...

DR. M. THAMBIDURAI: Thank you, Sir, for giving me an opportunity to raise the supplementary question. Sir, you know very well that the handloom sector is next to agriculture sector with regard to employment in India, especially in Tamil Nadu, handloom sector is very famous. *...(Interruptions)...*

श्री उपसभापतिः माननीय सदस्यगण, कोविड के अनुशासन का पालन कीजिए। ...**(व्यवधान)**... वैल में खड़े होकर आप दूसरों को भी प्रभावित करने जा रहे हैं। ...**(व्यवधान)**... प्लीज़, कोविड के अनुशासन का पालन कीजिए। ...**(व्यवधान)**...

DR. M. THAMBIDURAI: Karur is famous for handloom sector. They are exporting lot of textiles to foreign countries. They are getting more foreign exchange. But, in this year's Budget, you did not provide enough money for the handloom sector. I want to know from the hon. Minister whether you come forward to help them, *...(Interruptions)...* If the Government comes forward to help this sector, definitely,

it will be good for this sector. Hon. Narendra Modi*ji* has come forward with many schemes to help the poor people. Therefore, this handloom sector is very, very important especially in Karur city. In Karur city, the handloom sector is very, very famous. I want to know whether the Minister will come forward to help the handloom industries of Karur city so that they are able to export more goods.

श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश : हथकरघा क्षेत्र में काफी बदलाव हुआ है, उसमें टेक्नोलॉजीज़ का भी काफी यूज़ हो रहा है और कॉमर्स मंत्रालय की एमएसएमईज़ की काफी स्कीम्स हैं, जिनसे वे लोग लाभान्वित हो रहे हैं। ...**(व्यवधान)**...

श्री उपसभापति : माननीय सदस्य, मैं फिर अनुरोध कर रहा हूँ। ...**(व्यवधान)**... आप सीटी बजा रहे हैं, यह सदन की मर्यादा के विपरीत है। ...**(व्यवधान)**...रूल 55 के द्वारा आप पर कार्रवाई होगी। ...**(व्यवधान)**... आप पर कार्रवाई होगी, मुझे नेम करना पड़ेगा। ...**(व्यवधान)**...

श्रीमती दर्शना विक्रम जरदोश : हैण्डलूम-हैंडिक्राफ्ट में बहुत ज्यादा लोग लगे हैं, यह हमें भी पता है। ...**(व्यवधान)**... उसी की वजह से इस क्षेत्र को आगे लाने के लिए, उनकी प्रमोशन के लिए, उनकी ट्रेनिंग के लिए सरकार ने काफी कुछ तैयारी की है। ...**(व्यवधान)**... इस pandemic situation से उनको हम लोग धीरे-धीरे exhibition के through ...*(Interruptions)*... जैसे, गुजरात में महिला आर्थिक विकास निगम है, तो उनकी प्रमोशन के लिए कुछ फंड वहाँ से भी मिलता है। ...**(व्यवधान)**... मंत्रालय भी उनकी प्रमोशन के लिए बहुत कुछ कर रहा है और इस क्षेत्र से भी हम जरूर जुड़ जाएँगे। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, Question No. 108.